खबर एक्सप्रेस

ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने पर नीति आयोग की रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक आधिकारिक बयान में सोमवार को कहा गया कि देश भर में ग्राम सभाओं में लोगों की भागीदारी का अध्ययन करने वाली एक राष्ट्रीय रिपोर्ट में पाया गया है कि ग्राम सभाओं में नागरिकों की उपस्थिति अभी भी कम है। साथ ही इसमें उन प्रमुख कारणों की पहचान की गई है, जिनकी वजह से लोगों की भागीदारी प्रभावित होती है। बयान के अनुसार, यह रिपोर्ट 30 जून को जारी की जाएगी। पंचायती राज मंत्रालय ने बयान में कहा है कि 'राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ग्राम सभाओं में कम भागीदारी' विषय पर तैयार राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट को नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में जारी किया जाएगा। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) ने पंचायती राज मंत्रालय के लिए तैयार की है। इसके लिए 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की करीब 400 ग्राम पंचायतों में व्यापक सर्वेक्षण किया गया। अध्ययन के दौरान करीब 7,790 लोगों से बातचीत की गई, जिनमें पेसा (पीईएसए) क्षेत्रों और महिला नेतृत्व वाली ग्राम पंचायतों को भी शामिल किया गया। रिपोर्ट में यह समझने की कोशिश की गई है कि ग्राम सभाओं में लोगों की भागीदारी किन-किन पहलुओं से प्रभावित होती है। इसमें लोगों की जागरूकता, सूचना पहुंचाने की व्यवस्था, सभी वर्गों की भागीदारी, संस्थागत जवाबदेही, प्रशासनिक कार्यप्रणाली, उपलब्ध बुनियादी सुविधाएं और नागरिकों की सोच जैसे कई पहलुओं का विस्तृत अध्ययन किया गया है। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक उपाय सुझाना है। रिपोर्ट में ऐसे सुझाव भी दिए गए हैं, जो नीति निर्माण, संस्थागत सुधार और ग्राम सभाओं में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने में उपयोगी साबित हो सकते हैं। बयान के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 243ए के तहत ग्राम सभा को स्थानीय स्तर पर सहभागी लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण इकाई माना गया है। यह राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट उन कारणों की पहचान करने का प्रयास करती है, जिनकी वजह से लोग ग्राम सभाओं में कम शामिल होते हैं। साथ ही इसमें ऐसे उपाय सुझाए गए हैं, जिनसे ग्राम सभाओं को अधिक सक्रिय, समावेशी और जवाबदेह बनाया जा सके तथा देश भर में पंचायती राज संस्थाओं को और मजबूत किया जा सके। भारत की ग्राम पंचायतों ने अब तक ई-ग्रामस्वराज प्लेटफॉर्म के माध्यम से 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक के भुगतान किए हैं।

वडोदरा में आज से दो दिवसीय वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन शुरू होगा

वडोदरा। मध्य गुजरात के लिए 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस' (वीजीआरसी) सोमवार को वडोदरा में शुरू होने वाली है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में नीति-निमार्ता, अंतरराष्ट्रीय साझेदार और उद्योग जगत के दिग्गज एक साथ आएंगे, जिसका मकसद क्षेत्रीय निवेश और विकास के संबंधों को मजबूत करना है। यह कॉन्फ्रेंस 29 और 30 जून को जीएसएफसी यूनिवर्सिटी में हो रही है। इसमें मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ पार्टनर देशों और ग्लोबल इंडस्ट्री बॉडीज के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम की शुरूआत 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल एग्ज़िबिशन' (वीजीआरई) से होगी, जिसके बाद उद्घाटन सत्र होगा। इन सत्रों में राज्य के नेताओं के भाषण होंगे और राजनयिक प्रतिनिधि तथा बिजनेस लीडर्स भी हिस्सा लेंगे। अधिकारियों ने बताया है कि यह कॉन्फ्रेंस निवेश को बढ़ावा देने, क्षेत्रीय औद्योगिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मंच के तौर पर आयोजित की जा रही है। जापान, रवांडा, संयुक्त अरब अमीरात और यूक्रेन इसमें पार्टनर देशों के तौर पर शामिल हो रहे हैं। कई अंतरराष्ट्रीय और इंडस्ट्री संगठन भी पार्टनर संगठनों के तौर पर इसमें शामिल हैं, जिनमें जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन, यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम, यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल, इंडो-कैनेडियन बिजनेस चैंबर, एएमसीएचएएम इंडिया, फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया, कोरिया ट्रेड-इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी, यूएई-इंडिया बिजनेस काउंसिल, फिनचैम इंडिया, इंडो-इटैलियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया शामिल हैं। यह कॉन्फ्रेंस सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और आईटी-इनेबल्ड सर्विसेज, बायोटेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, एयरोस्पेस और डिफेंस, फिनटेक, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स, डेयरी और फूड प्रोसेसिंग, केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स, ग्रीन एनर्जी, शिक्षा, पर्यटन, स्टार्टअप्स, एमएसएमई और स्किल डेवलपमेंट जैसे सेक्टर पर फोकस करेगी।

जावा 42 आइवरी को मिला राइडर्स का शानदार रिस्पॉन्स, अब अमेजन.इन और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध

चंडीगढ़। जावा 42 आइवरी, जिसे अपनी हालिया लॉन्चिंग के बाद से ही राइडर्स से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, अब अमेजन .इन और फ्लिपकार्ट पर बुकिंग के लिए उपलब्ध है। भारत के प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर इस मोटरसाइकिल को लाकर, जावा ने देश भर के उत्साही लोगों के लिए ऑनलाइन माध्यम से इसे खोजने और इसके ओनरशिप के सफर की शुरूआत करने को और भी आसान बना दिया है।कई शुरूआती मालिकों के लिए, आइवरी एडिशन का आकर्षण पहली ही नजर में दिल को छू जाने वाला और बेहद व्यक्तिगत है।पुणे, महाराष्ट्र के शैलेंद्र एस नानेकर, जिन्होंने हाल ही में एक कम्यूटर मोटरसाइकिल से इस पर अपग्रेड किया है, अपने अनुभव में आए इस बदलाव को बताते हैं, "पावर में बढ़ोतरी तुरंत महसूस होती है। यह लंबी और सुकून भरी सवारी के लिए काफी रिफाइंड और आरामदायक महसूस होती है।"सवारी के अनुभव से इतर, जो बात उन्हें सबसे ज्यादा खास लगती है, वह है इस मोटरसाइकिल की लोगों का ध्यान खींचने, बातचीत शुरू करने और कुछ लोगों के लिए बीते समय को वापस लाने की क्षमता। "मैं इसे जहां भी पार्क करता हूं, लोग इसे करीब से देखने के लिए आ जाते हैं। कई लोग कहते हैं कि जावा 42 आइवरी उन्हें जावा के शुरूआती दिनों की याद दिलाती है। वे इसे निहारने के लिए रुकते हैं, टैंक पर अपना हाथ फेरते हैं, इस पर बैठते हैं और मोटरसाइकिल के बारे में पूछते हैं।"

अमेजन प्राइम डे के 10 साल पूरे : अपने दसवें संस्करण के साथ वापस लौटा

चंडीगढ़। अमेजन प्राइम डे भारत में अपने दसवें संस्करण के साथ वापस आ गया है, जो 4 जुलाई को रात 12:00 बजे से शुरू होकर 6 जुलाई को रात 11:59 बजे तक चलेगा। इस दौरान प्राइम मेंबर्स को शानदार डील्स, बड़ी बचत, नए प्रोडक्ट्स के लॉन्च और मनोरंजन जैसी कई चीजें मिलेंगी। इस साल, प्राइम मेंबर्स ग्रोसरी, ताजे फल व सब्ज़ियों, हेल्थ, बेबी केयर और पेट केयर जैसे रोजमर्रा के जरूरी सामानों पर बड़ी बचत कर सकते हैं। साथ ही, वे नए ब्रांड्स, लिमिटेड-एडिशन लॉन्चेस और शॉपिंग के स्मार्ट तरीकों को भी जान सकेंगे। प्राइम डे आपके घर की रोजमर्रा की जरूरतों की खरीदारी को आसान बनाता है और साथ ही नई व उपयोगी चीजों को खोजने का अवसर भी देता है। चाहे घर के सामान का स्टॉक पहले से प्लान करना हो या आखिरी मिनट की कोई जरूरत हो, अमेजन इंडिया तेज डिलीवरी, भरोसे और बेहतरीन विकल्पों का पूरा अनुभव देता है। 'अमेजन नाउ' के जरिए कुछ ही मिनटों में अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी की सुविधा भी मिलती है।घर के रोजाना के खाने की तैयारी से लेकर, सेहतमंद नाश्ते के विकल्प, क्षेत्रीय पसंदीदा व्यंजन, ताजा सामान और रेडी-टू-कुक खाने तक — प्राइम डे आपकी ग्रोसरी लिस्ट के हर सामान को पूरा करने और साथ ही कुछ नया खोजने का आसान मौका देता है।

आत्मनिर्भर गांवों से बनेगा विकसित भारत: शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गांव आत्मनिर्भर, रोजगारयुक्त और बुनियादी सुविधाओं से संपन्न बनेंगे। साथ ही, उन्होंने गांवों को 'भारत की आत्मा, शक्ति और चेतना' बताते हुए कहा कि ग्रामीण विकास ही राष्ट्रीय विकास की धुरी है। पूसा परिसर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन 'ग्रामोदय से राष्ट्रोदय' के दूसरे दिन चौहान ने कहा, "गांव केवल धूल-मिट्टी या चौपाल का नाम नहीं, गांव भारत की शक्ति, भारत की चेतना और भारत की आत्मा हैं। अगर हमें समृद्ध और विकसित भारत बनाना है तो गांव को समृद्ध और विकसित बनाए बिना काम नहीं चलेगा, गांव की प्रगति के बिना देश की प्रगति संभव नहीं है।" इस दौरान केंद्रीय मंत्री चौहान ने घोषणा की कि 1 जुलाई से 'विकसित भारत- जी राम जी' योजना देशभर में लागू होगी जो मनरेगा की जगह लेगी। इसके लिए 95,682 करोड़ रुपए की अंतरिम स्वीकृति दी जा चुकी है। उन्होंने राज्यों से अपील की कि वे समय पर अपनी औपचारिकताएं पूरी करें ताकि योजना का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। साथ ही, सम्मेलन में 'लखपति दीदी डैशबोर्ड' लॉन्च किया गया और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए 'सी लीप्स' डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 3 करोड़ से बढ़ाकर 6 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए अगले 5 वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपए का बैंक लिंकिंग रोडमैप तैयार किया गया है। इस सम्मेलन में पहली बार एक मंच पर देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और नीति-निमार्ता एक साथ जुटे। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित राज्यों के ग्रामीण विकास मंत्रियों और अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पश्चिम एशिया तनाव व वैश्विक दबाव के बीच भारत ने फिर रचा इतिहास

दुनिया का 5वां बड़ा शेयर बाजार बना

■ भारतीय शेयर बाजार ने ताइवान-साउथ कोरिया को पछाड़ा

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार फिर से दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बन गया है और इसका मार्केटकैप 5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। वहीं, हाल ही मार्केटकैप में भारतीय स्टॉक मार्केट को पछाड़ चुके ताइवान और साउथ कोरिया के शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इससे फिर से दोनों बाजारों का मार्केटकैप भारत से कम हो गया है। मौजूदा समय में भारतीय शेयर बाजार का कुल मार्केटकैप 5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। ताइवान के शेयर बाजार का मार्केटकैप 4.97 ट्रिलियन डॉलर और साउथ कोरियाई बाजार का मार्केटकैप 4.66 ट्रिलियन डॉलर है। सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट रही। दोपहर करीब 3 बजे सेंसेक्स करीब 380 अंक गिरा हुआ था। इसके बाद भी बीएसई पर लिस्ट कंपनियों का मार्केटकैप 5 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा रहा। जून में वैश्विक इक्विटी बाजारों का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा, जबकि भारतीय शेयरों ने काफी हद तक मजबूती देखी गई। इस महीने के दौरान भारत का मार्केटकैप 2.75 प्रतिशत बढ़ा, जबकि दक्षिण कोरिया और ताइवान के मार्केटकैप में क्रमशः 4.7 प्रतिशत और 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई।

अन्य प्रमुख बाजारों में जापान का मार्केटकैप लगभग 1 प्रतिशत गिरा। वहीं हांगकांग में 8.3 प्रतिशत से अधिक और कनाडा में 3 प्रतिशत की कमी आई। यूके के शेयर बाजार में लगभग 2 प्रतिशत की कमी आई, फ्रांस 1.1 प्रतिशत गिरा और जर्मनी में 5.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कई एनालिस्ट्स ने भारतीय इक्विटी में इस मजबूती का कारण कच्चे तेल की कीमतों में कमी, बेहतर होते वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की लगातार दिलचस्पी को बताया है। उनके अनुसार, निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग्स मल्टीपल लगभग 24 गुना से घटकर करीब 18 गुना हो गया है, जिससे वैल्यूएशन अधिक आकर्षक हो गए हैं। इसके अलावा, भारतीय इक्विटी बेंचमार्क ने कई ग्लोबल मार्केट्स के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया।

अब ग्रीस के साथ कारोबार के अवसर तलाशेगा भारत

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। यूके दौरे के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में भारतीय उद्यमियों का प्रतिनिधिमंडल अब ग्रीस पहुंच गया है। इसमें द्विपक्षीय व्यापार, निवेश प्रवाह और रणनीतिक आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। भारत अब भारत ग्रीस के साथ रक्षा, खाद्य, आधारभूत ढांचा एवं कृषि समेत कई क्षेत्रों में कारोबार-निवेश के अवसर तलाशेगा ग्रीस में भारतीय प्रतिनिधिमंडल द एथेंस स्टार्टअप बिजनेस इन्क्यूबेटर स्टार्टअप सत्रों में भाग लेगा। एथेंस चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के जरिए भारतीय और यूनानी उद्योग जगत के नेताओं के साथ निजी क्षेत्र की साझेदारियों को मजबूत बनाने पर चर्चा होगी। दोनों देशों के प्रमुख हितधारकों की भागीदारी वाला एक उच्चस्तरीय व्यापारिक संवाद भी आयोजित किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ग्रीस के प्रमुख उद्योग प्रतिष्ठानों का भी दौरा करेगा, जहां उन्नत विनिर्माण और प्रौद्योगिकी-आधारित क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा। इस कवायद का मकसद भारत-ग्रीस द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों का विस्तार करना बताया जा रहा है। इस पहले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने यूके की यात्रा कर प्रस्तावित व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते को लागू करने के तरीकों पर वहां के मंत्रियो व अधिकारियों के साथ बात की।

जांच रिपोर्ट आने के बाद उछले एचडीएफसी बैंक के शेयर

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक के शेयरों (HDFC Bank Share Price) में तेजी के साथ कारोबार हो रहा है, और यह तेजी लॉ फर्मों की उस क्लीन चिट के बाद आई, जिसमें कहा गया कि पूर्व पार्ट-टाइम चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती द्वारा लगाए आरोपों में दम नहीं। कॉरपोरेट गवर्नेंस के मोर्चे पर राहत मिलना बैंक के लिए एक बड़ी राहत है इसलिए 2 ग्लोबल ब्रोकरेज फर्मों ने इस प्राइवेट सेक्टर बैंक के लिए अपनी 'बुलिश' राय दोहराई। एनालिस्ट्स का कहना है कि पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र कानूनी समीक्षा से गवर्नेंस से जुड़ी उन चिंताओं को कम करने में मदद मिलनी चाहिए, जिनका असर हाल के महीनों में स्टॉक पर पड़ा था। 29 जून को शुरूआती कारोबार में HDFC बैंक के शेयरों ने Rs.802.65 का हाई लगा दिया। हालांकि, पिछले एक साल में HDFC बैंक के शेयरों में लगभग 20% की गिरावट आई है। यह परफॉर्मेंस Nifty 50 के मुकाबले कमजोर रही है, जिसमें इसी दौरान 5.7% की गिरावट दर्ज की गई। बैंक का मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग Rs.12.3 लाख करोड़ है। जेफरीज ने एचडीएफसी बैंक के स्टॉक पर अपनी 'इव' रेटिंग बनाए रखी है और इसका टारगेट प्राइस 1,050 रुपये प्रति शेयर तय किया है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि स्वतंत्र लॉ फर्मों ने पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती की टिप्पणियों की समीक्षा की और उन्हें मार्च 2026 के उनके इस्तीफे के पत्र में लगाए गए आरोपों का समर्थन करने वाला कोई सबूत नहीं मिला। वहीं, JPMorgan ने भी इस स्टॉक पर अपनी 'ओवरवेट' रेटिंग को दोहराया है और इसका टारगेट प्राइस Rs.990 प्रति शेयर तय किया है। ब्रोकरेज का कहना है कि कानूनी समीक्षा से गवर्नेंस से जुड़े उस रिस्क प्रीमियम को कम करने में मदद मिलनी चाहिए, जिसने चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद से HDFC बैंक के वैल्यूएशन पर दबाव डाला हुआ था।

सेबी एक सितंबर से लागू करेगा नए नियम

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। अगर आप भी अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षित रखने के लिए सोने और चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में पैसा लगाते हैं, तो आगामी 1 सितंबर 2026 से ट्रेडिंग के नियम पूरी तरह बदलने जा रहे हैं। अब तक अक्सर देखा जाता था कि जब अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजारों में रात के समय बड़ी उठापटक होती थी, तो भारतीय ईटीएफ बाजार अगले दिन तुरंत उस बदलाव को सही तरीके से नहीं दिखा पाते थे। इसी विसंगति को दूर करने और निवेशकों को हकीकत के करीब लाने के लिए बाजार नियामक सेबी प्री-ओपन कॉल ऑक्शन मैकेनिज्म और डायनेमिक प्राइस बैंड का नया फॉर्मूला लेकर आया है। नए नियमों के तहत कमोडिटी ईटीएफ (खासकर गोल्ड और सिल्वर फंड्स) के लिए ट्रेडिंग की शुरूआत प्लस/माइनस 6% के शुरूआती प्राइस बैंड के साथ होगी। यदि बाजार में उतार-चढ़ाव बहुत तेज होता है, तो एक निश्चित कूलिंग-ऑफ पीरियड के बाद इस प्राइस बैंड को 3-3 फीसदी के दायरे में और आगे बढ़ाया जा सकेगा। मौजूदा सिस्टम के विपरीत, अब नए नियमों में इस बात की कोई ऊपरी सीमा नहीं होगी कि एक ही ट्रेडिंग सेशन के दौरान इस बैंड को कितनी बार चौड़ा किया जा सकता है। इससे कीमतों में होने वाले वैश्विक उतार-चढ़ाव को तुरंत भारतीय बाजारों में एडजस्ट किया जा सकेगा। सेबी ने ईटीएफ की आधार कीमत तय करने के तरीके में भी सुधार किया है। सितंबर 2026 से, पिछले कारोबारी दिन के आखिरी 30 मिनट के क्लोजिंग प्राइस को ही संदर्भ मूल्य माना जाएगा। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान अचानक से दिखने वाले भारी प्रीमियम या डिस्काउंट को कम करने में मदद मिलेगी। इसका सबसे बड़ा फायदा बेहतर मूल्य पारदर्शिता और निष्पक्ष निष्पादन होगा। यह नया तंत्र बाजार सहभागियों को नियमित कारोबार शुरू होने से पहले अधिक सटीक शुरूआती कीमत खोजने की अनुमति देगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने और चांदी की कीमतों में रातों-रात जो भी उतार-चढ़ाव होगा, वह अगले दिन सुबह भारतीय ईटीएफ निवेशकों को अधिक सटीक रूप से दिखाई देगा। नया प्राइसिंग मैकेनिज्म और प्री-ओपन ऑक्शन सिस्टम मार्केट में कृत्रिम रूप से बढ़ने या घटने वाले प्रीमियम/डिस्काउंट को रोकेगा, जिससे आम निवेशकों को सही कीमत पर यूनिट्स मिलेंगी। डायनेमिक बैंड होने से बड़े संस्थागत निवेशकों और मार्केट मेकर्स को ट्रेडिंग करने में आसानी होगी, जिससे बाजार में तरलता बढ़ेगी। निवेशकों को कम मूल्य विस्थापन, बेहतर तरलता, ईटीएफ कीमतों और एनएवी के बीच बेहतर तालमेल, और तर्कहीन कीमतों पर घबराहट के कारण होने वाली खरीद या बिक्री की कम संभावनाओं के माध्यम से लाभ होने की उम्मीद। हालिया सुधार को मुख्य रूप से मुनाफावसूली और बदलती व्यापक आर्थिक उम्मीदों के संयोजन के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एक संरचनात्मक मंदी की शुरूआत के रूप में। चांदी का उपयोग सोलर पैनलों, इलेक्ट्रिक वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण में व्यापक रूप से किया जाता है, जिससे संरचनात्मक मांग को समर्थन मिलता है। सोना-चांदी अनुपात, जो 100 से ऊपर से गिरकर लगभग 66 पर आ गया है, चांदी के हालिया बेहतर प्रदर्शन को दशार्ता है। चांदी की आपूर्ति सीमित बनी हुई है और मांग का आउटलुक मजबूत है। 2 से 5 साल के नजरिये से चांदी अधिक आकर्षक दिखाई देती है।

भारत ने चीन, जापान, रूस से स्टील आयात पर जांच की शुरू

आज समाज नेटवर्क

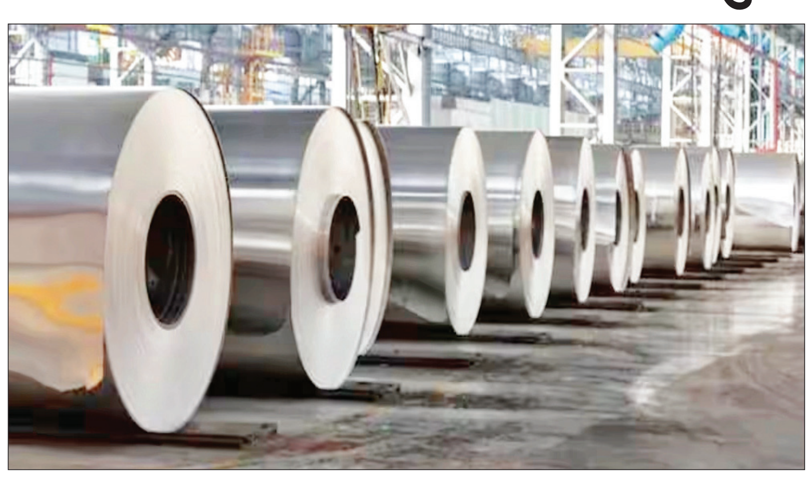

नई दिल्ली। चीन, जापान और रूस से आयात होने वाले स्टील के खिलाफ भारत ने एंटी डंपिंग जांच शुरू कर दी है। कुछ कंपनियों ने आरोप लगाया था कि ये देश भारत को बहुत ही सस्ती दरों पर स्टील निर्यात कर रहे हैं। इस कारण उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है।

अब भारत की ट्रेड रेमेडीज बॉडी ने चीन, जापान और रूस से आने वाले हॉट रोल्ड स्टील (Steel) के खिलाफ एंटी-डंपिंग जांच शुरू कर दी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय व्यापार मंत्रालय के तहत काम करने वाले 'डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज' ने गुरुवार को जारी एक नोटिफिकेशन में इसकी जानकारी दी। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज ने नोटिफिकेशन में कहा कि घरेलू उत्पादकों - खरह स्टील, खरह विजयनगर मेटालिक्स लिमिटेड और जिंदल स्टील ओडिशा ने इस जांच की मांग की थी।

इन कंपनियों ने आरोप लगाया है कि रूस, चीन और जापान से भारत में इंपोर्ट होने वाली स्टील बहुत कम कीमत पर डंप की जा रही है। इस कम कीमत वाले स्टील इंपोर्ट के चलते उन्हें नुकसान हो रहा है। और अगर यह इंपोर्ट जारी रहा तो उन्हें आगे भी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्हें इस बात की आशंका है। खरह स्टील, खरह विजयनगर मेटालिक्स लिमिटेड और जिंदल स्टील के ने चीन, जापान और रूस से आयात होने वाली स्टील पर एंटी डंपिंग जांच की मांग की थी।

घरेलू उत्पादकों के बाद डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज ने इस पर अमल किया और चीन, जापान और रूस से आयात होने वाली सस्ती स्टील पर एंटी डंपिंग जांच शुरू कर दी है। नोटिफिकेशन के मुताबिक, इस जांच में 25 तक की मोटाई वाले अलॉय या नॉन-अलॉय स्टील के हॉट-रोल्ड फ्लैट प्रोडक्ट्स शामिल हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल में चीन ने लगभग 232,000 मीट्रिक टन फिनिश्ड स्टील भेजा और इस दक्षिण एशियाई देश को ऐसा स्टील एक्सपोर्ट करने वाला सबसे बड़ा देश बन गया। खरीदार चीनी स्टील की ओर आकर्षित होते हैं क्योंकि यह लोकल कीमतों की तुलना में हॉट-रोल्ड स्टील के लिए प्रति टन $11 से $37 तक सस्ता होता है।

होर्मुज संकट में दिखी भारत की ऊर्जा ताकत

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। करीब चार महीनों तक होर्मुज स्ट्रेट बंद रहने के दौरान भारत में ईंधन की आपूर्ति यथावत रहना और ग्राहकों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ना, देश के ऊर्जा क्षेत्र की मजबूती को दिखाता है, जिससे इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश, विविध स्रोतों से आपूर्ति और सरकारी निर्णयों में समन्वय से समर्थन प्राप्त है। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से सोमवार को दी गई। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) वर्तिका शुक्ला ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट के चलते पैदा हुई चुनौतियों ने भारत के ऊर्जा सेक्टर की ताकत को दिखाया है। इस दौरान भारत की आपूर्ति स्थिर रही और आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों का खुदरा कीमतों पर प्रभाव न्यूनतम रहा। इसकी वजह सरकार की ओर से समय पर आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण और एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर में पर्याप्त निवेश था। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर एम.के.सुराना ने कहा कि जब पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू हुआ और होर्मुज स्ट्रेट से शिपिंग में रुकावट आई, तो कई जानकारों को उम्मीद थी कि भारत को ईंधन की भारी कमी का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि वह आयातित कच्चे तेल पर बहुत अधिक निर्भर है। उन्होंने कहा, "जब टकराव शुरू हुआ और होर्मुज स्ट्रेट बंद हो गया, तो ज्यादातर जानकारों को लगा था कि 85 प्रतिशत आयातित कच्चे तेल पर निर्भर भारत की आपूर्ति थप हो जाएगी और देश में पेट्रोल की कमी हो जाएगी।

पश्चिम एशिया में फैली अशांति और अनिश्चितता पड़ी भारी

भारत के रियल एस्टेट कारोबार में आई मंदी

■ मकानों की बिक्री घटी, उद्योगपति हताश

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। मकानों की बिक्री फिर से गिरने लगी है। इस साल अप्रैल से जून की तिमाही के दौरान रेजिडेंशियल यूनिट की बिक्री घट कर 90,715 तक आ गई है। यह जनवरी 2023 के बाद सबसे कम है। बताया जा रहा है कि ईरान-इजरायल युद्ध के बीच जो सेंटिमेंट बिगड़ा है, उसकी का असर मकानों की बिक्री पर दिखा है। रियल एस्टेट कंसलटेंसी फर्म एनरॉक (Anarock) की आज यहां जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और सप्लाई चेन में आए व्यवधान के बीच लगातार अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। इसने पूरे देश में सेंटिमेंट को प्रभावित किया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक FY26 में कुल 4,04,005 रेजिडेंशियल यूनिट बिकीं। यह FY23 के बाद सबसे कम संख्या है। यदि इस साल की पहली तिमाही की बात करें तो बिक्री में 6% की गिरावट आई है। इस इस तिमाही में 90,715 यूनिट बिकी, जबकि द2 2025 में 96,285 यूनिट बिकी थीं। Q-o-Q आधार पर, मकानों की बिक्री में 11% की गिरावट आई। एनारॉक ग्रुप के चेयरमैन अनुज पुरी का कहना है "ये आंकड़े चौंकाते नहीं हैं। क्योंकि पश्चिम एशिया युद्ध का असर पूरे सेक्टर पर स्पष्ट रूप से दिखा।

हालांकि, अब सबसे अधिक बिक्री ग्रोथ प्रीमियम हाउसिंग, GCC-लीड एम्प्लॉयमेंट हब्स और इंफ्रास्ट्रक्चर-ड्रिवन कॉरिडोर में है। इसके अलावा, मिडल ईस्ट युद्ध के व्यवधान और अनिवार्य रूप से IT/ITeS सेक्टर में अक्-संबंधित अनिश्चितताओं ने और अधिक खरीदारों को अनिर्णय की स्थिति में ला दिया।" इस रिपोर्ट के अनुसार इस साल की दूसरी तिमाही के दौरान सबसे ज्यादा बिक्री मुंबई मेट्रोपोलिटन रीजन या टटफ और बेंगलुरु में देखी गई।

इन दोनों शहरों ने देश के चोटी के 7 शहरों में हुई कुल बिक्री का 48% से ज्यादा हिस्सा दर्ज किया है। Q2 2026 के दौरान इन दोनों शहरों में कुल मिलाकर 43,995 यूनिट्स बिकीं। टॉप 7 शहरों में से केवल कोलकाता, हैदराबाद और बेंगलुरु ही ऐसे रहे जहां क्रमशः 10%, 2% और 1% सालाना बिक्री वृद्धि देखी गई। इस तिमाही के दौरान पुणे में सबसे ज्यादा, 15% की सालाना गिरावट देखी गई।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623,
Registered Office : W - 4/ 638A, Manappuram House,
P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.07.2026 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
अम्बाला, पंचकुला, 0101330730016571, 6678, कैथल, चिककैथल रोड, 0133740700017764, 8335, कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र सेक्टर 17, 0118430730014759, लाडवा कुरुक्षेत्र, 0134910700019658, पहोवा, 0127110700017946, 7993, 0127110730015811, पंचकुला, कालका पंचकुला, 0131890730005252, पिंजौर पंचकुला, 0128050700028887, 8923, 8952, सेक्टर 17 पंचकुला, 0127460700030707, 0778, पानीपत, समालखा पानीपत, 0131320730009635, संजय चौक पानीपत, 0117140730013427, 6571, रोहतक, यमुना नक्षर, अग्रसेन चौक यमुना नक्षर, 0126760700025509, 0126760730013041, 3042, 3043, बिलासपुर हरियाणा, 0134090700047319, 7371, 0134090730009548,

ऊपर बताई गई नीलामी में हिस्सा लेने के इच्छुक व्यक्तियों को नीचे दी गई बातों का पालन करना होगा: इच्छुक बोली लगाने वालों को नीलामी के दिन ही एनईएफटी/आरटीजीएस के ज़रिए 10,000/- रुपये ईएमडी (जो बोली हारने वालों को वापस कर दिया जाएगा) जमा करना होगा। बोली लगाने वालों के पास वैध आईडी कार्ड/पैन कार्ड होना चाहिए। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया 9072607147 पर संपर्क करें।

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.